शेख आयाज बने मुस्लिम अंजुमन कमेटी के सदर

समाज के लोगों ने साफा पहनाकर किया स्वागतलगभग 5 वर्ष बाद मुस्लिम अंजुमन कमेटी बड़वाह को अपना नया सदर मिला है। शेख आयाज अब कमेटी के नए सदर होंगे।रविवार देर रात मुस्लिम अंजुमन कमेटी की मीटिंग इकबाल चौक जमात खाने में रखी गई। जिसमें मुस्लिम अंजुमन कमेटी निवृतमान सदर हाजी कुद्दूस बड़वाह की चारों मस्जिद के सदर, सभी मेंबर और समाजजन मौजूद रहे।बैठक के दौरान नए सदर के निर्वाचन पर चर्चा शुरु हुई। बैठक में सदर के लिए दो 2 नामों का प्रस्ताव आया। जिसमें एक शेख अयाज पिता शेख सलीम और इमरान मेमन पिता यूनुस मेमन के नाम पर चर्चा शुरू हुई। जिसमें से पूरे मुस्लिम समाज जनों ने शेख अयाज पिता शेख सलीम को निर्विरोध मुस्लिम अंजुमन सदर घोषित किया गया।इस घोषणा के साथ ही मौजूद समाज जनों में खुशी की लहर दौड़ गई। मुस्लिम अंजुमन के पूर्व सदर ने अपने बीते कार्यकाल में सभी के सहयोग को लेकर पूरे अवाम का शुक्रिया किया। इसी बीच निर्विरोध निर्वाचित शेख अयाज ने भी अपनी नियुक्ति व सभी समाज जनों का आभार जताते हुए कहा की सदर बनना मेरे लिए गौरव की बात है।अपने समाज के खुशहाली, उन्नति, मदद के साथ शहर वासियों के बीच सद्भाव का माहौल बनाना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। तन-मन-धन से में अपनी समाज के लिए हर संभव प्रयास करता रहूंगा। इस दौरान समाज जनों ने भी सदर शेख आयाज का साफा बांधकर इस्तेकबाल किया। साथ ही जुलूस के रूप में शहर में लेकर भी निकले।इस दौरान शेख वसीम गुड्डा, रियाज मेमोरी, नाजिम खान, सैयद दिलशाद अली, अतीक उस्ताद, जाकिर खान, शहजाद खान, इरफान शेख, सादिक चाचा, मुस्ताक चाचा छोटा चाचा, दद्दा कुरैशी, मंजूर कुरैशी, जब्बार चौधरी और सैकड़ों मुस्लिम समाज जन ने सभी एक दूसरे से गले मिलकर मुबारकबाद पेश की।सदर का कार्यकाल 3 वर्षों का रहेगा।

महाकुँभ की तर्ज पर गंगादशमी पर होगा 75 वे विष्णुमहायज्ञ का आयोजन

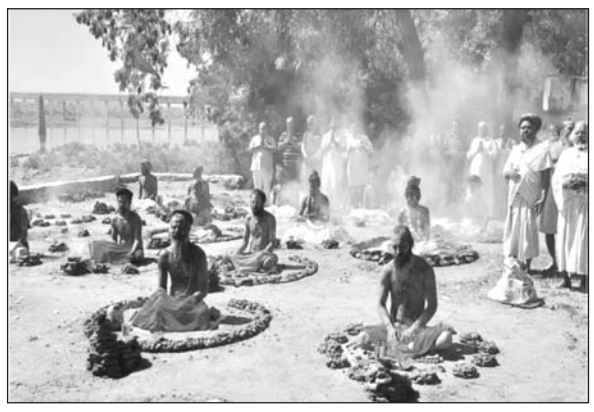

बड़वाह - ऋषि मुनियों की वेराग्यता और संत, महंतो की तपो भूमि रहे मां नर्मदा के उत्तर तट पर देश भर के तीर्थ क्षेत्रो के संत एवं महंतो का महाकुंभ निमाड़ क्षेत्र के भक्तों को देखने को मिलेगा। मां नर्मदा के उत्तर तट पर स्थित बड़वाह में होने जा रहे इस वृहद आयोजन की तैयारिया शुरू हो चुकी है। मां नर्मदा के तट पर स्थित सुंदर धाम आश्रम में जगत एवम विश्व कल्याण के लिए पिछले 74 वर्ष से श्री विष्णू महायज्ञ का आयोजन सात दिवसीय आयोजन के रूप में गंगा दशमी पर हर वर्ष संपन्न होता है। इस आयोजन का इस वर्ष 75वा श्री विष्णु महायज्ञ संत महंतो के आशीर्वाद स्वरूप परम वेभवता लिए हुए धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजनों के साथ संपन्न होगा। सुंदर धाम आश्रम के व्यवस्थापक श्रीश्री 108 नारायण दास जी महाराज ने 20 फ़रवरी को आश्रम में आयोजित किए गए फाग उत्सव के दौरान विशेष रूप से अमंत्रित पत्रकारों को बताया कि सुंदर धाम आश्रम में 75वा विष्णु महायज्ञ अमृत महोत्सव के रूप में 24 मई से 30 मई गंगा दशमी महा पर्व तक मनाया जाएगा। परम पूज्य तपोनिष्ठ गुरुदेव भगवान श्री सुंदर दास जी महाराज के आशीर्वाद व सद्प्रेरणा एवं श्रीश्री 1008 महामंडलेश्वर महंत श्री बालक दास जी महाराज (लोहा लंगड़ी) के सानिध्य में होने जा रहे इस सात दिवसीय अमृत महोत्सव में भारत वर्ष के अनेकानेक धाम एवं विभिन्न तीर्थ क्षेत्रो के जगतगुरु, महामंडलेश्वर, धर्माचार्य व संत महंत का आगमन सुंदर धाम आश्रम पर होने वाले इस आयोजन में होगा। व्यवस्थापक श्री नारायण दास जी महाराज ने आगे बताया की सप्त दिवसीय आयोजन में वृहद रूप में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन होगा। साथ ही देश के प्रख्यात भजन गायकों की भजन संध्या एवं अन्य धार्मिक समागम के आयोजन किए जाएंगे। जिसको लेकर आश्रम के आस-पास नर्मदा तट पर अलग-अलग भव्य पांडाल बनाए जाएंगे। जो मां नर्मदा के तट पर सिंहस्थ एवं महाकुंभ की भाँति संतो के दर्शन के साथ दर्शनीय रहेंगे। इसी अवसर पर इस आयोजन में देश भर के संत महात्माओं की पेशवाई भी बड़वाह नगर के नागेश्वर मंदिर से शासकीय महाविद्यालय तक निकाली जाएगी। इस महाआयोजन की शुरुआत 20 फरवरी से आश्रम में फाग उत्सव के आयोजन के साथ हो चुकी है। उल्लेखनीय की बसंत पंचमी से सुंदर धाम आश्रम में श्रीश्री 1008 महंत बालकदास जी महाराज साधु संतो के साथ तपती दोपहरी में धूनी तपस्या कर रहे है। बसंत पंचमी से संतो की यह कोठ खप्पर धुनी तपस्या शुरू हो जाती है। जो चार महीने तक चलती है। प्रतिवर्ष तेज धूप के बीच 12 बजे से लेकर 3 बजे तक श्रीश्री 1008 महंत बालकदास जी महाराज अपने अन्य संतो के साथ कोट खप्पर धुनी तपस्या करते है। महंत श्री बालकदास जी महाराज ने आश्रम से जु? भक्तों व क्षेत्र के धर्मावलम्बियों से गंगा दशमी पर आयोजित इस आयोजन में शामिल होकर पुण्यलाभ लेने का आह्वान किया है।

मंदिर में जाने की बात को लेकर दो पक्षो में विवाद

आमने- सामने से एक दूसरे पर चलाये पत्थर,14 लोग घायल

सनावद। थाना क्षेत्र के ग्राम में विगत 5 दिनों पूर्व मंदिर के पास बरगद के पेड़ को काटने को लेकर गुर्जर समाज में हरिजन समाज के 6 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसके बाद दोनों पक्षों को एसडीएम एसडीओपी तहसीलदार टीआई सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने सुलहा करवाकर दोनों तरफ के पक्ष के 10 लोगों से बांड भरवा कर तय किया कि मंदिर में किसी को भी जाने से नहीं रोका जावेगा। सभी समाज के लोग भगवान की पूजा अर्चना कर सकते है। लेकिन महा शिवरात्रि पर्व पर गांव के शिव मंदिर में दलित समाज की लड़कियां पूजन अर्चन करने पहुंची। उनके साथ अभद्र व्यवहार के बाद दोनों पक्षों में एक दूसरे पर पथराव कर दिया। छपरा में शनिवार सुबह महाशिवरात्रि पर्व के कारण शिव मंदिर में गुर्जर समाज की महिलाएं पूजा अर्चना कर रही थी। तभी अजजा समाज की युवतियां वहां पूजन के लिए गई। जिसमें शामिल रीना अंजने ने बताया की हम पांच लड़कियां आरती की थाली लेकर शिव मंदिर में पूजा करने पहुंची। वहां मौजूद गुर्जर समाज के भैयालाल और अन्य लोगों ने हम लड़कियों को अंदर जाने से रोका और धक्का-मुक्की की। इस बीच अजजा समाज के कुछ युवक वहां पर आ गए। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में एक दूसरे पर पथराव हुआ। गुर्जर समाज के भैयालाल ने बताया की ग्राम के शिव मंदिर परिसर में वर्षों पुराने पेड को काटने के बाद विवाद था। जिसे एसडीओपी एसडीएम तहसीलदार ने मिलकर समझाइश दी। और सभी ने एकमत होकर सभी समाज के लोगों को मंदिर में आने जाने की कोई बाध्यता नहीं रखी जावेगी। इस बात पर दोनो पक्षो का सामंजस्य बनाता। लेकिन शनिवार को मंदिर में अजजा समाज के प्रेमलाल सुखदेव और उसके साथ चार पांच युवक शराब पीकर हाथ में कुल्हाड़ी लेकर मंदिर में घुसने का प्रयास कर रहे थे। मैंने उन्हें रोका नहीं मानने पर उन्हें मैंने धक्का दिया। इस बीच प्रेम लाल ने मेरे ऊपर कुल्हाड़ी का वार करना चाहा। लेकिन मैंने उससे हाथ से रोका। मेरी उंगली पर कुल्हाड़ी लगी। कुल्हाड़ी छीन कर मंदिर के पास मौजूद पुलिस के जवान को कुल्हाड़ी दी। मंदिर के पास ही सुखदेव का मकान है। उसकी छत पर ईटों से अजजा समाज के लोगों ने हम पर पथराव किया। उसके विरोध में इधर से भी पथराव किया गया। इस पथराव के चलते योगेश पिता शिशुपाल शिवनारायण पटेल घायल हो गए। वहीं अजजा समाज के 11 लोग घायल हो गए। घायलों में प्रेमलाल सुखदेव के साथ बच्चे और महिलाओ के सिरों पर पत्थर लगे।एसडीओपी विनोद दीक्षित ने बताया कि मंदिर में प्रवेश को लेकर हुए विवाद को लेकर दोनों पक्षों में पथराव भी हुआ है। कुछ लोग घायल हुए हैं। दोनों पक्षों की ओर से रिपोर्ट की जा रही है। दोनों के खिलाफ प्रकरण दर्ज होंगे। जो भी आरोपी रहेंगे उन सब की गिरफ्तारी होगी।

थाने में हुआ हंगामा-

छापरा में हुए विवाद के बाद दोनों पक्षों के लोगों की भीड़ थाने में जमा होते गई। वहीं जैसे-जैसे इस बात की सूचना अन्य समाज जनों को लगी। वैसे ही दोनों पक्षों से समाज के लोग एकत्र होते रहे। वहीं महिलाओं का भी हुजूम इस दौरान दोनों पक्षों की भीड़ में शामिल था। वही करीब 4 घंटे से अधिक तक चले घटनाक्रम के बीच एसडीएम बीएस क्लेश एसडीओपी विनोद दीक्षित सहित बाहर से आए हुए थाना प्रभारियों ने दोनों पक्षों की बात को सुना और रिपोर्ट लिख कर प्रकरण में कार्रवाई का भरोसा दिया। इस दौरान चला हंगामे के बीच दोनों पक्ष के समाज जन बड़ी संख्या में थाने के जमा हो गए।

हाइवे किया जाम-

अधिकारियों द्वारा दोनों पक्षों में समाधान कर प्रकरण दर्ज करने का आश्वासन दिया गया। इसके बाद अजजा समाज के लोग थाने से रवाना हो गए। लेकिन गुर्जर समाज के युवाओं एवं ग्रामीणों का कहना था कि मंदिर को बंद कर दोनों पक्षों के आने-जाने पर रोक लगाई जाए। जिससे भविष्य में इसको लेकर कोई विवाद नही हो। इसी मांग को लेकर समाज जनों ने पुलिस थाने के सामने हाइवे मार्ग पर बैठकर हंगामा किया। जहां समाज के युवा पदाधिकारियों ने समाज के लोगों को थाने से अंदर ले जाकर अपनी नाराजगी पुलिस थाना परिसर के अंदर बैठकर जाहिर की। वही यह हंगामा देर शाम तक चलता रहा।

रोज 600 आवास निर्माण का लक्ष्य-

जिले में 10 हजार से ज्यादा आवास अधूरे नए लोगों को नहीं हो रही राशि आवंटित

खरगोन-जिलेभर में प्रधानमंत्री आवास योजना व 2011 की सूची के अनुसार बने आवास अधूरे हैं। इसके चलते नए लोगों को आवंटन जारी नहीं हो रहा है। जिलेभर में रोजाना 600 आवास पूर्ण करना है, लेकिन हितग्राही राशि लेकर आवास पूरा नहीं कर रहे हैं। अफसर रोजाना लक्ष्य पूरा करने के प्रयास कर रहे हैं, लेकिन काम पूरा नहीं हो रहा है। अब तक 10 हजार से ज्यादा आवास अधूरे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना में हितग्राही राशि लेकर आवास पूरे नहीं कर रहे हैं। इसके चलते नए हितग्राहियों को आवंटन नहीं मिल पा रहा है। जिलेभर में 10 हजार से ज्यादा आवास अधूरे हैं।

जबकि दो हजार से ज्यादा हितग्राहियों की सूची जारी हो चुकी है, लेकिन उन्हें राशि का इंतजार हैं। अफसरों का कहना है कि अधूरे आवास पूर्ण होने पर ही अन्य हितग्राहियों को राशि जारी करेंगे। क्योंकि रोजाना कलेक्टर आवास की मॉनीटरिंग कर रहे हैं। रायबिडपुरा में रामलाल गुर्जर, गंगाबाई जगन्नाथ, हुकुमचंद मांगीलाल के आवास अधूरे हैं। इसके चलते नए लोगों को राशि जारी नहीं हो पा रही है। यहां गांव में ऊषा शिव शंकर, जगदीश तुलसीराम जैसे लोगों को नाम सूची में हैं। उनका कहना है कि आगामी दिनों में बारिश होगी। राशि मिल जाती तो जल्द ही आवास बना लेते हैं।

सरपंच जितेंद्र का कहना है कि शेष रहे हितग्राही जल्द आवास बनाएंगे। नई सूची में 40 लोगों को राशि का इंतजार है। ऐसे ही अन्य गांवों में अधूरे आवास है। इसके चलते एक हजार से ज्यादा लोगों को राशि का इंतजार है। सरपंच व सचिवों का कहना है कि कई जगह लोगों राशि लेने के बाद पलायन कर चुके हैं तो कहीं लोगों ने कर्जा चुका दिया है। अब राशि नहीं होने से आवास निर्माण शुरू नहीं कर रहे हैं। उनका कहना है कि पहली किश्त जारी होने के बाद लोग उस राशि को खर्च कर देते हैं। ऐसे में अन्य लोगों को परेशानी आती है। सबसे ज्यादा भगवानपुरा, झिरन्या, भीकनगांव में परेशानी है। यहां हितग्राहियों ने पहली किश्त के बाद आवास निर्माण शुरू नहीं किया है। कई बार नोटिस देने के बाद भी काम शुरू नहीं कर रहे हैं।

कम राशि व महंगाई है कारण

अधूरे आवास के दो कारण हैं। पहला- ऐसे लोगों को राशि जारी हो गई जो पलायन में दूसरे गांव है तो किसी पर कर्जा है। ऐसे में पहली किश्त मिलने के बाद लोगों ने राशि खर्च कर दी है। रोजाना पंचायत सचिव व रोजगार सहायक ऐसे लोगों को आवास निर्माण करने को कहते हैं। इनके पास राशि नहीं हैं। ऐसे में उन्हें परेशानी है। दूसरा कारण यह है कि कई हितग्राहियों को 1 लाख 38 हजार रुपए कम लग रहे हैं। उनका कहना है कि इतनी राशि में मकान बनना संभव नहीं हैं। इसके चलते हम मकान नहीं बना रहे हैं। हम राशि वापस जमा कर देंगे।

जिलेभर में पीएम आवास व सर्वेक्षण सूची के अनुसार रोजाना 600 से ज्यादा का टारगेट है। कई लोग पलायन कर चुके हैं तो कुछ लोगों ने कर्जा चुका दिया है। नए लोगों को राशि आवंटन होने में परेशनी हो रही है।

- गोविंद मंडलोई, पीएम आवास योजना प्रभारी जिला पंचायत

जिले में ऐसे है अधूरा काम

ब्लॉक	आवास	सर्वेक्षण सूची
बड़वाह	1419	259
भगवानपुरा	1220	533
भीकनगांव	1667	303
गोगावां	442	118
कसरावद	1190	248
खरगोन	351	91
महेश्वर	1285	475
सेगांव	345	233
झिरन्या	1358	763
कुल	9277	3023

बड़वाह में मातृ सम्मेलन आयोजित-विभिन्न क्षेत्रों की सशक्त महिलाएं एक मंच पर आई

बडवाह के निजी स्कूल परिसर में रविवार को मातृ सम्मेलन संपन्न हुआ। सम्मेलन में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय सांसद की धर्मपत्नी जयश्री ज्ञानेश्वर पाटिल थी। उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि बालक के प्रति माता की जिम्मेदारी पिता से भी ज्यादा होती है। माता को बालक के प्रति जागरूक होना आवश्यक है। उन्होंने मां को बालक के साथ-साथ स्वयं का भी ध्यान रखने एवं बालक को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित भोजन कराने की बात कहीं।

यह भी कहा कि मां की महिमा को कभी शब्दों में नहीं बांध सकते है। मां ही सृष्टि की सृजनहार एवं पालनहार हैं। बालक का बौद्धिक, शारीरिक और मानसिक विकास माता से ही होता है। इस अवसर पर जिला जनपद सदस्य उमा लक्षमण काग, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. मंगला ठाकुर, दीपा गुप्ता, प्रेमलता तिवारी, हंसा कानु?, रचना टिकेकर, ममता बोरसे, पूजा पाठक मंचासीन रही।अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा का पूजन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। विश्वमांगल्य सभा भी हुई। यह आयोजन भाजपा महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष व पार्षद रजनी भंडारी ने आयोजित किया। इस अवसर पर खाटू श्याम जी के भजनों पर उपस्थित महिलाओ ने खूब आनंद लिया। तम्बोला सहित अन्य प्रतियोगिता भी हुई।

इसमें विजेताओं को गिफ्ट वितरण किया।अतिथियों ने उद्बोधन में कहा कि हर सफल व्यक्ति के पीछे महिला का हाथ होता है। आज महिला पुरुषों के बराबर कार्य कर रही है। बालक परिवार में माता-पिता से व्यवहार सीखता है, मां बालक की प्रथम गुरू और परिवार प्रथम पाठशाला होती है। वर्तमान में चिंता का विषय है कि बालक मोबाइल एवं टेलीविजन के ज्यादा नजदीक रहता है। बालकों को सच्ची एवं देशभक्ति की कहानियां सुनानी चाहिए।केवल भौतिक सुख सुविधाएं देने से बालकों का भविष्य नही बनता है, खेलने की उम्र में बच्चों पर ज्यादा दबाव नहीं देना चाहिए। बच्चों के सामने नकारात्मक बातें नहीं करनी चाहिए। इस दौरान आयोजन कर्ता रजनी भंडारी ने मुख्य अतिथि जयश्री पाटिल के साथ उपस्थित महिलाओं का पुष्पवर्षा से स्वागत किया। अंत में सभी महिलाओं को गिफ्ट भी वितरित किए।

इस दौरान महिला मोर्चा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सुरभि वर्मा, सरिता भदोरिया, रंजीता कोशल, सावित्री चौरसिया, अर्चना तोमर, मनीषा सुराणा, संध्या जायसवाल, नर्मदा बिरला, कुसुम छाजड, राधिका सोनी, रानी डाकोलिया सहित सभी समाज की महिलाएं मौजूद रहीं।